समापन भाषण

माननीय सदस्यगण, चतुर्दश बिहार विधान सभा के गठन के साथ ही इसका प्रथम सत्र दिनांक २८ नवंबर,२००५ से प्रारंभ हो कर आज दिनांक ७ दिसंबर,२००५ को समाप्त हो रहा है। इस सत्र में कुल ८ बैठकें हुई।

सत्र के आरंभिक दो दिनों तक अस्थायी अध्यक्ष द्वारा चतुर्दश बिहार विधान सभा के लिए नव निर्वाचित माननीय सदस्यों को शपथ ग्रहण कराया गया। इस चतुर्दश बिहार विधान सभा के माननीय सदस्यों ने स्थापित परम्परानुरूप अध्यक्ष के सर्वसम्मत चुनाव की मिसाल कायम की एवं अध्यक्ष की निष्पक्षता में विश्वास व्यक्त किया । दिनांक १ दिसंबर,२००५ को महामहिम राज्यपाल द्वारा सह-समवेत दोनों सदनों के सदस्यों को संबोधित करने के उपरांत प्रभारी मंत्री वित्त विभाग द्वारा वित्तीय वर्ष २००५-०६ के आय-व्ययक का उपस्थापन किया गया। ३६ दिवंगत जननायकों का सदन में शोक-प्रकाश किया गया एवं उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की गयी ।

बिहार में वित्तीय खर्च अब तक संसद द्वारा पारित लेखानुदान अधिनियम के तहत किय जा रहे थे। इस सत्र में वित्तीय वर्ष २००५-०६ के आय-व्ययक एवं वर्ष २००५-०६ के प्रथम अनुपूरक व्यय विवरणी पर वाद-विवाद एवं मतदान हुआ। तदुपरांत क्रमशः बिहार विनियोग विधेयक,२००५ एवं बिहार विनियोग (संख्या-२) विधेयक,२००५ पारित किए गए।

भारत के संविधान के अनुच्छेद- १५१(२) के अनुसरण में बिहार सरकार के वित्त लेखे वर्ष २००३-२००४,विनियोग लेखे वर्ष २००३-०४ तथा भारत के नियंत्रक महालेखापरीक्षक का ३१ मार्च,२००४ को समाप्त होने वाले वर्ष का प्रतिवेदन संख्या-२ (सिविल), एवं बिहार विधान सभा के कार्य संचालन नियमावली में संशोधन प्रारूप सभा पटल पर रखे गये तथा सभा द्वारा स्वीकृत हुए।

इस सत्र के दौरान अल्प सूचित प्रश्न ७१ एवं अतारांकित प्रश्न ३३ प्राप्त हुए। कुल २९ ध्यानार्षण की सूचनायें प्राप्त हुई जिसमें ५ उत्तरित हुए। शून्यकाल काल के माध्यम से उठाये गये लोक महत्व के कतिपय विषयों पर सरकार द्वारा सूचना ग्रहण की गई।

कुला ४२ निवेदन प्राप्त हुए जिसमें से ३६ निवेदन स्वीकृत किये गये। एवं ६ निवेदन अमान्य हुए। कुल ८ याचिकाएं प्राप्त हुई जिसमें से ६ याचिकाएं सदन में उपस्थापित की गयी।

अध्यक्ष(क्रमशः) सत्र संचालन में माननीय मुख्यमंत्री,नेता विरोधी दल एवं अन्य दलीय नेताओं के साथ ही पक्ष प्रतिपक्ष के सभी सदस्यों का मैं आभारी हूँ जिनका भरपूर सहयोग मुझे प्राप्त हुआ। पत्र प्रतिनिधियों,समाचार एजेंसी,प्रेस मीडिया,आकाशवाणी तथा दूरदर्शन के रचनात्मक सहयोग के लिए मैं उन्हें धन्यवाद ज्ञापित करता हूँ।

सभा के कार्य संचालन में सभा सचिवालय के पदाधिकारियों एवं कर्मचारियों तथा आरक्षी बल के जवानों ने जिस तत्परता,लगन और निष्ठा से अपने कर्त्तव्यों का निर्वहन कुशलतापूर्वक किया इसके लिए वे धन्यवाद के पात्र हैं।

माननीय सदस्यगण,चतुर्दश बिहार विधान-सभा के प्रथम सत्र के समापन पर आज 7:30 बजे रात्रि बिहार विधान-सभा के उप भवन सभागार में भोज का आयोजन किया गया है। आप सबों से अनुरोध है कि इसमें सम्मिलित होने की कृपा करें।

अब सभा की बैठक अनिश्चित काल तक के लिए स्थगित की जाती है।